ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-07-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-07-08	2026-07-09	2026-07-10	2026-07-11	2026-07-12
वर्षा (मिमी)	20.0	5.0	10.0	15.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	32.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	23.0	23.0	23.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	76	77	83	89	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	54	49	49	53	48
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	8	8	2
पवन दिशा (डिग्री)	360	93	92	360	104
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	5	5	6	7
चेतावनी	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (30 जून-6 जुलाई) 142.0 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.1 से 36.0°C और 23.6 से 28.1°C के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 74-98% और 54-95% के बीच रही। हवा पूर्व, उत्तर-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण और उत्तर-उत्तर-पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 0.9-4.7 किमी/घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिन बारिश रही। आने वाले हफ़्ते में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है, जिसमें बारिश की मात्रा 10-20 मिमी या उससे ज़्यादा हो सकती है। अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0°C और 23.0-24.0°C रहने की उम्मीद है। हवा के पूर्व-दक्षिण और उत्तर दिशा से 2-8 किमी/घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। 7 और 10 जुलाई को आंधी-तूफान/बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और ज़मीन पर तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना को देखते हुए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है, जबकि अन्य दिनों में इसी तरह की स्थितियों के साथ हल्की बारिश की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

इससे नए पौधों और बीजों के अंकुरण को नुकसान पहुँच सकता है, साथ ही बुवाई और खेती के अन्य नियमित कामों में रुकावट आ सकती है और तैयार या तोड़ी हुई बागवानी की फसल खराब हो सकती है। पानी की निकासी के लिए सही रास्ते बनाने चाहिए और बुवाई में देरी करनी चाहिए; तैयार बागवानी फसल की तुड़ाई करके उसे सही ढंग से स्टोर करना चाहिए या तुरंत बाजार में बेचने के लिए भेज देना चाहिए। धान की रोपाई या नर्सरी के मामले में, पानी का स्तर बनाए रखना ज़रूरी है, इसलिए बारिश का पानी जमा करने के लिए सही मेड़ें बनानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी और बारिश की चेतावनी पाने के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मौसम और बिजली गिरने से जुड़ी जानकारी के नियमित अपडेट के लिए "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी उपलब्ध हैं। इन सभी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबी अवधि के पूर्वानुमान के अनुसार, 10 से 16 जुलाई के दौरान सामान्य बारिश और अधिकतम व सामान्य न्यूनतम तापमान का ट्रेंड रहने की संभावना है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, भारी बारिश को लेकर येलो वॉर्निंग दी गई है, इसलिए पानी की निकासी का उचित इंतज़ाम किया जाना चाहिए और बुवाई का काम कुछ समय के लिए टाल देना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान के पौधों की रोपाई जारी रखनी चाहिए। धान के पौधों को 2-3 सेमी की गहराई पर लगाना चाहिए, जिसमें कतारों के बीच 20 सेमी और पौधों के बीच 10 सेमी या 15 सेमी की दूरी होनी चाहिए। भारी बारिश के कारण अगर पौधे खराब हो जाएं, तो खाली जगहों पर नए पौधे लगाकर गैप भरना चाहिए। धान के खेत में पानी बचाए रखने के लिए मेड़ों को ठाक बनाए रखें।
मूँगफली	फसल की बुवाई में देरी करनी चाहिए और इसे बाद के दिनों के लिए तय करना चाहिए; वहीं, जिन मूंगफली की फसलों की बुवाई पहले ही हो चुकी है, उनमें खेत से पानी की सही निकासी का इंतज़ाम करना चाहिए ताकि अंकुरण पर बुरा असर न पड़े और पौधे खराब न हों।
सोयाबीन	ज़ोरदार बारिश होने पर बुवाई का काम टाल देना चाहिए और इसे बाद के दिनों के लिए तय करना चाहिए। जिन सोयाबीन के खेतों में बुवाई हो चुकी है, वहाँ पानी की निकासी का सही इंतज़ाम होना चाहिए ताकि अंकुरों और अंकुरण को नुकसान न पहुँचे।
गन्ना	गन्ने के खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और मौसम साफ रहने पर मिट्टी चढ़ाने का काम किया जाना चाहिए।
मक्का	भारी बारिश की स्थिति में मक्के की बुवाई में देरी करनी चाहिए। बारिश के बाद मौसम साफ होने पर, पानी जमा होने से बचाने के लिए मक्के की बुवाई मेड़ों पर करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
कद्दू	पूरी तरह से तैयार कद्दू की तुड़ाई करके उसे अच्छी तरह से स्टोर कर लेना चाहिए या तुरंत बिक्री के लिए भेज देना चाहिए। बीमारी या कीटों से बचाव के लिए किसी भी तरह का केमिकल स्प्रे मौसम साफ होने पर बाद में करना चाहिए।
टमाटर	टमाटर की तुड़ाई करके उन्हें तुरंत बिक्री के लिए भेज देना चाहिए। बारिश के बाद फसल में कीट या बीमारी का प्रकोप आम बात है, इसलिए किसी भी केमिकल का छिड़काव मौसम साफ होने पर ही करना चाहिए।
भिण्डी	भारी बारिश की संभावना होने पर बुवाई में देरी करनी चाहिए और बुवाई का समय तब तय करना चाहिए जब खेत में नमी सही मात्रा में हो। बहुत ज़्यादा गीली मिट्टी में बुवाई करने से बचना चाहिए।
मिर्च	पानी की सही निकासी का इंतज़ाम करें और बेचने के लिए पकी हुई मिर्च की तुड़ाई करें। बारिश के बाद रस चूसने वाले कीटों के लगने की संभावना रहती है, इसलिए किसी भी तरह का केमिकल छिड़काव बाद के दिनों में करें जब मौसम साफ़ हो।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
अदरक	पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
लहसुन	पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	मौजूदा मौसम में जानवरों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करवाएं। जानवरों को भारी बारिश से बचाएं क्योंकि इससे त्वचा में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन मौसमों में कीड़ों का प्रकोप बढ़ जाता है; इससे बचने के लिए पास के पशु चिकित्सक की सलाह पर 'एंथेल्मिंटिक' (कीड़े मारने वाली दवा) का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। पशुशाला में बारिश का पानी जमा न होने दें और बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए पानी की सही निकासी की व्यवस्था करें।
गाय	मौजूदा मौसम में जानवरों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करवाएं। जानवरों को भारी बारिश से बचाएं क्योंकि इससे त्वचा में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन मौसमों में कीड़ों का प्रकोप बढ़ जाता है; इससे बचने के लिए पास के पशु चिकित्सक की सलाह पर 'एंथेल्मिंटिक' (कीड़े मारने वाली दवा) का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। पशुशाला में बारिश का पानी जमा न होने दें और बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए पानी की सही निकासी की व्यवस्था करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारी बारिश का अनुमान है, जिससे रोज़मर्रा के कामों पर असर पड़ सकता है। इससे पशुओं को नुकसान हो सकता है और पानी जमा होने से संक्रामक बीमारियाँ फैल सकती हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

लोगों को सलाह दी जाती है कि वे ज़्यादा यात्रा न करें, खासकर पहाड़ी इलाकों में। भारी बारिश के दौरान खेती-बाड़ी के काम न करें और जानवरों को छाया में रखें। संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए पशुओं के बाड़े के आस-पास पानी जमा न होने दें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details